हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 13 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्रबंधन को सद्बुद्धि देने हुआ सुंदरकांड

मण्डला। कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की लगातार हो रही संदिग्ध मौतों को लेकर पत्रकारों का धरना प्रदर्शन आठवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के बीच धरना स्थल पर संगीतमय सुंदरकांड एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समर्थक व सामाजिक कार्यकर्ता सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। पत्रकारों का समर्थन करते हुए कान्हा प्रबंधन से जवाबदेही तय करने की मांग उठी। कार्यक्रम नवयुवक शिव मंडल आजाद वार्ड मंडला द्वारा किया गया। वनप्रेमियों ने कहा कि जंगल और वन्यजीव संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और बाघों की लगातार हो रही मौत चिंता का विषय है। धरने पर बैठे पत्रकारों ने आरोप लगाया कि कई दिनों से आंदोलन जारी होने और लगातार सवाल उठने के बावजूद कान्हा प्रबंधन की ओर से अब तक कोई ठोस जवाब सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि आंदोलनकारी पत्रकारों द्वारा देश के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया था जिसमें बाघों की मौत की उच्चस्तरीय जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। पत्रकारों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा तथा पोल खोल अभियान भी शुरू किया जाएगा।

वन विश्रामगृहों में घास छवाई में खर्च किये 10 लाख रूपये

लेन्टाना, खरपतवार एवं झाड़ी उन्मूलन में करोड़ों खर्च

*** पत्रकारों ने आय एवं व्यय को सार्वजनिक किये जाने की उठाई मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पिछले कुछ वर्षों से कान्हा प्रबंधन लगातार विवादों में रहा है और अब 15 दिनों के अंदर 6 बाघों की मौत ने मामला और गर्मा दिया है स्थिति यह है कि अब तो पत्रकारों ने भी कान्हा प्रबंधन की अनदेखी और लापरवाही को लेकर धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया हुआ है पिछले दिनों प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी पत्रकारों ने जिला प्रशासन को सौंपा है जिसमें कान्हा प्रबंधन द्वारा वन्यजीवों को लेकर की जा रही अनदेखी का उल्लेख किया गया है।

निर्माण कार्यों पर ज्यादा गंभीर प्रबंधन

प्राकृतिक वन क्षेत्र एवं वन्यजीवों को देखने देश-विदेश के लोग कान्हा नेशनल पार्क आते हैं और पर्यटकों के कारण ही कान्हा प्रबंधन को करोड़ों की राशि प्राप्त होती है लेकिन क्या इस राशि का उपयोग ईमानदारी के साथ वनों के प्रबंधन एवं वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन में हो रहा है अथवा नहीं यह एक गंभीर जांच का विषय है।

पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों के आधार पर देखा जाये तो कान्हा प्रबंधन द्वारा वन मार्गो की मरम्मत के नाम पर लगभग 70 लाख रूपये प्रतिवर्ष, लेन्टाना उन्मूलन पर 55 से 60 लाख, खरपतवार उन्मूलन में 85 से 90 लाख, झाड़ी उन्मूलन में 65 से 70 लाख, जल स्त्रोतों के निर्माण एवं गहरीकरण पर लगभ 80 लाख, नालों में रपटा निर्माण पर 40 से 50 लाख, बफरजोन में लेन्टाना उन्मूलन में 30 लाख, ईको विकास समिति के माध्यम से परिस्थकीय विकास कार्यो के लिये 4 करोड़ रूपये, ईको पर्यटन विकास बोर्ड को विकास निधि के नाम पर 2 करोड़, हाथियों के परिवहन पर 35 लाख रूपये एवं वन विश्रामगृहों में घास छवाई में 10 लाख रूपये खर्च किये गये यह आंकड़ा लगभग 4 वर्ष पूर्व का है इसके बाद तो इस तरह के खर्चों में और भी ज्यादा राशि खर्च की गई होगी।

मध्यप्रदेश के विश्व प्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क में लगातार सामने आ रही अव्यवस्थाओं बाघों की मौत और कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर अब जिले के पत्रकारों ने मोर्चा खोल दिया है। पिछले कई दिनों से कलेक्ट्रेट मार्ग पर पत्रकार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रशासन से निष्पक्ष जांच तथा ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में पत्रकारों ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को 14 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है। पत्रकारों का आरोप है कि कान्हा टाइगर रिजर्व में लंबे समय से कई अनियमितताएं चल रही हैं जिनकी जानकारी समय-समय पर समाचार माध्यमों के जरिए प्रशासन और शासन तक पहुंचाई जाती रही है लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पत्रकारों का कहना है कि लगातार हो रही बाघों की मौत और पार्क क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्था वन्यजीव संरक्षण की गंभीर स्थिति को दर्शाती है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में स्थित कान्हा नेशनल पार्क में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर पत्रकार लगातार आवाज उठा रहे हैं। नियमित रूप से समाचार प्रकाशित होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा न तो निष्पक्ष जांच कराई गई और न ही दोषियों पर कार्रवाई हुई। इसी कारण जिलेभर के पत्रकार 5 मई 2026 से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ज्ञापन में पत्रकारों ने कहा कि कान्हा प्रबंधन द्वारा कई बार पत्रकारों को गलत जानकारी दी जाती है।

कान्हा की वास्तविक स्थिति को छिपाया जाता है। पत्रकारों ने मांग की है कि यदि किसी मामले में गलत जानकारी दी जाती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही पत्रकारों ने पार्क के भीतर बने पक्के निर्माणों पर भी सवाल उठाए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि कान्हा के भीतर होटल रिसॉर्ट और अन्य निर्माण कार्य पर्यावरणीय दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय हैं। पत्रकारों ने ऐसे निर्माणों को तत्काल हटाने की मांग की है। पत्रकारों ने कान्हा के तीनों प्रमुख प्रवेश द्वारों के आसपास हुए अतिक्रमण को भी गंभीर समस्या बताया।

कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को दिए समय-सीमा में निराकरण के सख्त निर्देश

*** जनसुनवाई में सुनी 118 आवेदकों की समस्याएँ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला योजना भवन में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने जिले के दूर-दराज से आए 118 आवेदकों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुना।

कलेक्टर धोटे ने न केवल आवेदनों को गंभीरतापूर्वक लिया, बल्कि उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कई वृद्ध और दिव्यांग आवेदकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कराया। आवेदनों की प्रकृति के आधार पर कलेक्टर श्री धोटे ने कई संवेदनशील प्रकरणों को एक ही दिन के भीतर सुलझाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। शेष सभी आवेदनों की समय-सीमा तय की गई है।

इस दौरान सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, संयुक्त कलेक्टर हुनेद्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम ने भी आवेदकों की समस्या सुनी। सम्पन्न हुई जनसुनवाई में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

वैदिक गुरुकुल में चरित्र निर्माण शिविर 16 मई से

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरूकुल के वार्षिकोत्सव के अवसर पर युवक युवती चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन 16 मई से किया जा रहा है। आचार्य भीमदेव नैष्ठिक ने बताया कि काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव एवं युवक-युवती चरित्र निर्माण शिविर के समापन अवसर पर 22 मई को गुरुकुल परिसर गयाजीपुर जिलहरी घाट में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर वैदिक परंपरा, राष्ट्रभक्ति एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया जाएगा कार्यक्रम आचार्य आचार्य मनुदेव वाग्मी के ब्रह्मत्व में सायं 4 बजे प्रारंभ होगा जिसमें 11 कुंडीय सर्व कल्याण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ में देश समाज एवं विश्वकल्याण की कामना के साथ वैदिक मंत्रोच्चार होंगे इसके पश्चात आमंत्रित विद्वानों द्वारा धर्म, संस्कृति एवं चरित्र निर्माण विषय पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिए जाएंगे शिविर में भाग लेने वाले युवक एवं युवतियों द्वारा शौर्य प्रदर्शन भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगा इसमें पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र संचालन, आत्मरक्षा कौशल एवं अनुशासन आधारित प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आयोजकों के अनुसार यह शिविर युवाओं में संस्कार, राष्ट्रनिष्ठा एवं आत्मबल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है जिसका समापन 22 मई को एक साथ होगा कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं एवं नागरिकों के सम्मिलित होने की संभावना है इस आयोजन से पूर्व 21 मई को सायं लगभग 3:30 बजे मंडला शहर में अस्त्र-शस्त्र सहित भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में शिविरार्थी, संत-महात्मा एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित होंगेआयोजन समिति ने इसे भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा के गौरव प्रदर्शन का प्रतीक बताया है कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संपतिया उईके तथा फग्गन सिंह कुलस्ते की विशेष उपस्थिति रहेगी आयोजकों ने जिलेवासियों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने अपील की है।

पुरूषोत्तम मास में होगी पंचकोशी नर्मदा परिक्रमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अधिमास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक माँ नर्मदा माता उत्तरवाहिनी पंचकोशी परिक्रमा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह परिक्रमा उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा की तरह व्यास नारायण मंदिर से ही प्रारंभ होगी परिक्रमा प्रातः 5:00 बजे से प्रारंभ होगी।

यह पंचकोशी परिक्रमा लगभग 17 किलोमीटर की है और लगभग 5 से 6 घंटे में परिक्रमा पूर्ण हो जायेगी। 17 मई को प्रथम दिवस परिक्रमा का आयोजन समिति सदस्यों द्वारा किया जा रहा है इस पंचकोशी परिक्रमा में आप भी शामिल हो सकते हैं इसके लिये आपको सुबह 5 बजे व्यास नारायण मंदिर पहुंचना होगा। इसके अलावा पूरे माह भर परिक्रमा का क्रम जारी रहेगा नर्मदा भक्त श्रद्धालुजन अपनी सुविधा अनुसार किसी भी दिन सम्मिलित होकर पंचकोशी परिक्रमा कर सकते हैं।

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए ठंडे पानी की बोतल या छागल अपने साथ रखें। खाने-पीने में सावधानी रखें। तेज धूप एवं गर्म हवा से बचाव करें तथा आवश्यक दवाइयाँ साथ रखें। छोटे बच्चे, वृद्ध एवं बीमार व्यक्तियों को यथासंभव साथ न लाएँ। यात्रा में अपनी स्वयं की जवाबदारी पर शामिल हों। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिये राधाराज आश्रम में रूकने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है और परिक्रमावासियों के लिये बाल भोग राधाराज आश्रम प्रबंधन द्वारा ही उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्स स्टाफ ने मनाया नर्स दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

*** मरीजों में वितरण किए फल फूल।**

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया इस अवसर पर स्वस्थ केंद्र की समस्त नर्स स्टाफ के द्वारा नर्स दिवस के अवसर पर केक काटा सेलिब्रेट किया ओर स्वस्थ केंद्र में भर्ती मरीजों को फल फूल मिष्ठान जल दूध बिस्किट का वितरण किया, जिससे वार्डो में भर्ती मरीजों में आत्म विश्वास जागृत हुआ स्वस्थ केंद्रों चिकित्सक के साथ साथ नर्सों की भूमिका हर समय सराहनीय मानी जाती है, दिन ओर रात पूरे चौबीसों घंटे तटस्थ रहते हुए मरीजों में इलाज के साथ-साथ एक नई ऊर्जा प्रदान करती है जनरल वार्डो से लेकर प्रसूता वार्डो आईसीयू तक चिकित्सकों से ज्यादा नर्सों योगदान होता है आज नर्स दिवस पर सभी नर्सों ने स्वस्थ केंद्र में सेलिब्रेट किया बल्कि स्वस्थ केंद्र में भर्ती मरीजों को भी अपने कार्यक्रम में हिस्सा बनाते हुए आकर्षक कार्यक्रम किया इस अवसर पर चिकित्सक अनूप भारतीय बीएमओ, डा राबिया बेगम डा मुकेश झरिया डा इमरान खान, अर्चना कुजूर, संजीवनी कुशराम, शांति पद्ममशाली, प्रेमलता मरावी, सुचिता कुजूर, अंजू मरावी, ऋतु मेश्राम, राकेश मरकाम, वंदना चौहान, सुनीता पंद्रे, गंगा सेयाम, ओर वरिष्ट नर्सों के साथ जूनियर स्टाफ आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के स्वस्थ केंद्र से आई स्वस्थ कार्यकर्ता सहित सैकड़ों की संख्या में सभी शामिल हुए।

न्यायालय चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मण्डला म.प्र. (पीठासीन अधिकारी अलतमश रहमान)

एम.जे.सी..प्र. कं.-104/26 नियत दिनांक- 25.06.2026

1- विजय पिता स्व. परमू कछवाहा आयु 28 वर्ष

2- विशाल पिता स्व. परमू कछवाहा उम्र 30 वर्ष

दोनो निवासी बिनेका तिराहा वार्ड नं. 10 बड़ी खैरी थाना, तहसील व जिला मंडला म.प्र. ...आवेदकगण

विरूद्ध

1- आम जनता

2- शाखा प्रबंधक, सेंट्रल मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मंडला जिला मंडला म0प्र0

3- शाखा प्रबंधक, महिष्मति नागरिक बैंक शाखा मडला जिला मंडला म0प्र0 .....अनावेदकगण

//आम इस्तहार//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 376 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत करते हुये मृतिका शांता बाई कछवाहा पति स्व. परमू कछवाहा की मृत्यु उपरांत सेंट्रल मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मंडला जिला मंडला में बचत खाता कमांक 2001491010002876, सावधि खाता क्रमांक 201491210001215 में जमा राशि 45,000/-रू. (पैतालिस हजार रूपये) राशि प्राप्त करने के लिए उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जो दिनांक 25.06.2026 को नियत है।

आवेदकगण को उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने में यदि किसी को आपत्ति हो तो नियत दिनांक को न्यायालय में उपस्थित हो कर आपत्ति प्रस्तुत करें। प्रकरण की आगामी पेशी दिनांक 25.06.2026 को न्यायालीन समय में आप प्रेषित स्वयं या अपने अधिवक्ता, प्रतिनिधि जिसे प्रकरण की संपूर्ण जानकारी हो के माध्यम से मय दस्तावेजों के उपस्थित होकर जवाब पेश करे, उक्त दिनांक को अवकाश की दशा में आगामी न्यायालीन कार्य दिवस पर उपस्थित होवें, उक्त दिनांक तक किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त न होने पर आवेदक के पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी किया जावेगा।

अतः आज दिनांक 11/05/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी किया गया।

(अलतमश हमान)
चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मंडला

अव्यवस्था | **बदबू, अव्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही से रहवासी परेशान।**

श्रीराम मंदिर भवन के पीछे गंदगी का अंबार

*** शादी समारोहों के बाद फेंका जा रहा कचरा और बचा हुआ भोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय स्थित श्रीराम मंदिर भवन जहां वर्षों से सामाजिक और वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित होते आ रहे हैं, अब अव्यवस्था और गंदगी का केंद्र बनता जा रहा है। शादी समारोहों के बाद बचा हुआ भोजन, डिस्पोजल प्लेटें, प्लास्टिक सामग्री और अन्य कचरा मंदिर परिसर के पीछे खुले में फेंका जा रहा है। लगातार बढ़ती इस गंदगी ने आसपास के क्षेत्र को बदहाल स्थिति में पहुंचा दिया है।

स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि शादी समारोह समाप्त होने के बाद आयोजकों द्वारा सफाई व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। मंदिर के पीछे बड़ी मात्रा में फेंका गया भोजन सड़ने लगता है, जिससे पूरे क्षेत्र में असहनीय बदबू फैल जाती है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि वार्डवासियों को वहां से गुजरते समय नाक-मुंह पर कपड़ा रखना पड़ता है।

रहवासियों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से लगातार बनी हुई है। कई बार स्थानीय लोगों ने विरोध दर्ज कराया, जिम्मेदारों को अवगत कराया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। ना तो आयोजकों पर कोई सख्ती की जा रही है और ना ही नियमित सफाई की कोई ठोस व्यवस्था दिखाई दे रही है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि मंदिर के पीछे फेंके गए प्लास्टिक डिस्पोजल और भोजन को आवारा पशु खा रहे हैं। प्लास्टिक निगलने से पशुओं की जान पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। धार्मिक स्थल के आसपास फैली गंदगी और सड़ांध लोगों की आस्था को भी ठेस पहुंचा रही है।

वार्डवासियों ने सवाल उठाया है कि जब शहर में स्वच्छता अभियान और सफाई व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, तब आखिर मंदिर परिसर के पीछे फैली इस गंदगी पर प्रशासन और जिम्मेदार समिति की नजर क्यों नहीं पड़ रही, लोगों का कहना है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र में बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि शादी समारोह आयोजित करने वालों के लिए सख्त नियम बनाए जाएं। कार्यक्रम समाप्त होने के तुरंत बाद सफाई अनिवार्य की जाए और कचरा खुले में फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया जाए। साथ ही नगर पालिका और संबंधित समिति नियमित निगरानी कर क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाए।

आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण, टीकाकरण एवं कुपोषण नियंत्रण को लेकर हुई समीक्षा

मण्डला। महिला एवं बाल विकास परियोजना मंडला अंतर्गत परिक्षेत्र बम्हनी बंजर में परियोजना अधिकारी अनूप कुमार नामदेव द्वारा विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों एवं निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र खारी एवं वार्ड क्रमांक 3 में आयोजित टीकाकरण दिवस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए सीएचओ, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित हितग्राहियों से संवाद कर विभागीय योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान ग्राम खारी की गंभीर कुपोषित बालिका के परिवारजनों को परियोजना अधिकारी, सरपंच, पर्यवेक्षक, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा समझाइश देते हुए बालिका को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के लिए परामर्श दिया गया, ताकि बालिका का समुचित उपचार एवं पोषण प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त बम्हनी क्षेत्र में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवनों का निरीक्षण सहायक यंत्री श्रीमती शिल्पा मेश्राम एवं नगर परिषद बम्हनी के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संबंधित बिंदुओं पर आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने तथा निर्माण कार्य समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए।

खबर संक्षेप

उम्रदराज पेड़ किसी दिन बड़ी घटना को दे संकेत है अंजाम?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। पर्यावरण की रक्षा के मकसद से हालांकि प्रदेश सरकार, स्वयंसेवी संस्थाएं, समाज सेवी संस्थाओं द्वारा शहर में लगातार वृक्षा रोपण कराकर नगर की हरीतिया सलामत रखने की दिशा में निरंतर पहल कर रहे है, किन्तु इसके बाबजूद देखने में आ रहा है कि लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली व्यस्ततम सड़कों के दोनों ओर जो पुराने पेड़ लगे है, जिसका परिणाम है कि ये पेड़ खोखले होते जा रहे है और उनकी शाखायें बोझिल हो गयी है और दुर्घटनाओं को आमंत्रित करते हुए उनके गिरने का अंदेशा हमेशा बना रहता है। उल्लेखनीय है कि लोकनिर्माण विभाग के अधीन आने वाली स्टेशन से शहर व गाडरवारा से सांईखेड़ा की ओर जाने वाली सड़क के किनारों पर आम और अन्य फलों के वृक्ष सीना तान खड़े है। बताया जाता है कि इनमें से अधिकांश वृक्ष उम्र दराज हो चुके है। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि पूर्व वर्षो में उक्त सड़क के किनारे आम के वृक्षों की नीलामी की व्यवस्था संबंधित विभाग द्वारा की जाती थी, किन्तु अब आम के वृक्षो के नीलामी का काम बंद हो गया है और ये पुराने पेड़ बिना धनीधोरी के रह गये है? हालत यह है कि कभी- कभार कई आम के पेड़ जरा से तूफान चलने के दौरान या तो बीच सड़क पर गिर जाते है या फिर उन्हें शहीद कर दिया जाता है? चौकांने वाली सच्चाई है कि पहले हरिभूमि व आमजनता द्वारा आवाज उठाने के बाद भी लोक निर्माण विभाग के अधीन आने वाली सड़क के किनारे लगे वृक्षों की कांट छांट या उनके रख रखाब का उचित प्रबंध नही किया गया है मगर अब उनकी अनदेखी किये जाने के कारण यह पुराने पेड़ अब गंभीर घटनाओं का सबब बनने लगे है।

योजनाओं से वंचित है कृषक खेती को लाभ का धंधा बनाने पसीना बहाता हुआ अन्नदाता किसान

हरिभूमि न्यूज/सिहपुर छोटा। वैसे देखा जावे तो सरकारों ने कृषकों के लिए अनेक लाभ कारी योजानायें तैयार की है और कृषकों के हित ओर संरक्षण का दावा समय समय पर किया जाता है। लेकिन यह एक सोचनीय पहेलू है कि इन योजनाओ का लाभ कृषको तक कैसे पहुंचता है..? ऐसा लगता है कि कृषको के हित संरक्षण हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता बढ़ती जा रही। ज्ञातव्य है कि सरकार ने कृषको की सहायता मार्ग दर्शन तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत तकनीको से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग बनाया है। लेकिन ग्रामीण अंचलों में कृषकों को विभाग द्वारा जानकारी सुलभ नही कराई जा रही है, जिससे समसमायिक जानकारी कृषकों को नही मिलती है। कृषि विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण शासन की अनेक लाभकारी योजनाओं का लाभ कृषकों को नही मिल पा रहा है? जिससे उनकी कृषि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, क्षेत्र के कुछ रोषित कृषको ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ साधन सम्पन्न कृषकों को दिया जाता है। जिससे गरीब कृषक शासन की योजनाओं से वंचित रह जातें है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पूर्व में भी अनेको बार जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियो को ध्यान कृषि विभाग के अधिकारियों की मनमानी कार्यप्रणाली की ओर आकर्षित किया गया था। जिस पर कुछ दिन तो विभागीय अधिकारी चोकन्ने हुए, किन्तु धीरे धीरे पुनः उसी चाल में आ गये है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के आकाशवाणी केन्द्रों से ग्राम सभा कार्यक्रम में कृषि से संबंधित जानकारिया ग्रामीणजनो को दी जा रही है, जिसमें इन जानकारियों में सिंचित गेंहू की अधिक पैदावार लेने से गुड, फसल बीमा, जैविक फसल व अन्य प्रकार की फसलो का कीटों से बचाव गोबर गैस आदि विषयों की सूक्ष्म जानकारी दी जाती है। गौरतलब है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति ग्रामीण कृषि विस्तार अंचलों में हुई है, परंतु यदि गणना की जाये तो पता चलता है कि अधिकतर अधिकारी अपने मुख्यालय को छोड़ समीपस्थ कस्बो व नगरों में निवास कर रहे है, जिससे विभागीय अधिकारी भी परिचित है पर बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधें..?

तेंदूखेड़ा बाघाकुडी मार्ग की सीतारेवा नदी पर बना हुआ पुल लगातार नीचे ही नीचे होता जा रहा है खोखला.., ध्यान नहीं दिये जाने के चलते बन सकता है किसी दिन बड़ी घटना का कारण...?

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

अक्सर देखा जाता है कि जब क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है उसके बाद अधिकारियों से लेकर अन्य जिम्मेदारों द्वारा लोगों की मदद के लिये अनेक बादे किये जाने लगते है। मगर समय रहते हुये सचेत हो जाया जावे तो इस प्रकार से घटित होने वाली घटनाओं को रोका भी जा सकता है? पूर्व में घटित हुई घटनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही वह प्रशासनिक अधिकारियों व जिम्मेदारों द्वारा बरती जाने वाली उदासीनता का ही परिणाम सामने आने से नही चूक पाये है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तेंदूखेड़ा से बाघाकुडी जाने वाले मार्ग पर देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि जर्जर स्थिति में पहुंच चुके हुये पुल को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उदासीनता का रवैया अपनाया जा रहा है। उसके चलते ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा हो..? सूत्रों की जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले ग्राम तेंदूखेड़ा से बाघाकुडी की ओर जाने वाली प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत कुछ वर्ष पहले बने हुये इस मार्ग पर ग्राम तेंदूखेड़ा व रातीकरार के बीच पड़ने वाली सीतारेवा नदी पर बने हुये रिपटानुमा पुल की स्थिति जर्जर होन जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा इसे जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते प्रतिदिन इस पुल के ऊपर से जहां भारी भरकम बडे वाहन धडल्ले से दौड़ते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों का आना जाना लगा रहता है, जिसके चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? बताया जाता है कुछ साल पहले जब तेंदूखेड़ा व रातीकरार के बीच पड़ने वाली सीतारेवा नदी पर पुल का निर्माण हुआ था जिसकी गुणवत्ता को लेकर शुरू से ही सबाल उठ रहे थें। मगर बीते हुये कुछ साल पहले सीतारेवा नदी में आई हुई बाढ़ के दौरान इस पुल पर दरार निकल आने के कारण पुल जर्जर स्थिति में पहुंच चुका था। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा उस दौरान प्रमुखता के साथ से उजागर किये जाने के साथ साथ अधिकारियों को भी इस सच्चाई से अवगत कराया गया था। मगर शायद इस सच्चाई को अधिकारियों द्वारा गंभीरता से नही लिया गया होगा जिसका परिणाम कुछ वर्षो से यह पुल जर्जर स्थिति में होने के बाद भी नजर अंदाज किये जाने से बड़ी घटना को आंमत्रण देते हुये भगवान भरोसे चलते हुये देखा जा रहा है? बताया जाता है कि इस पुल का नीचे का भाग लगातार नदी के पानी के बाहव में कटते हुये खोखला होता चला जा रहा है..? इस प्रकार से पुल का काफी भाग नदी में बह जाने के बाद अब पुल की स्थिति इस प्रकार से दिखाई देने लगी है कि भगवान भरोसे रहते हुये कभी भी पूर्णरूप से धराशायी होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि इस पुल के ऊपर से प्रतिदिन जहां अनेक प्रकार के वाहनों को निकलते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी इस क्षेत्र में निवास करने वाले लोग के लोग भी इसी पुल के ऊपर से प्रतिदिन निकलना होता है। इस तरह बरती जा रही उदासीनता के चलते निश्चित ही यह पुल किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण बनते हुये क्षेत्रवासियों की जान को खतरा में डालने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से पुल के नीचे से लगातार पानी के बहाव में टूट रहे हिस्से के चलते पुल निर्माण में अपनाई गई गुडवत्ता की सच्चाई भी उजागर होने से नही चूक पा रही है। क्योंकि पुल के नीचे से निकल रही गिट्टी इस बात को उजागर करने कोई कसर नही छोड़ रही है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इस पुल के निर्माण में मशीन से टूटी हुई काली गिट्टी की जगह इसी नदी की गोल वाली गिट्टी का उपयोग करते हुये निर्माण किया गया होगा और शायद इसी का परिणाम है कि इस पुल के टूटने की शुरूआत हो गई है तथा पुल का टूटता हुआ भाग अपने निर्माण की गुणवत्ता को उजागर करने लगा है? जबकि हरिभूमि द्वारा पुल के निर्माण के दौरान जिस प्रकार से निर्माण करने वाली एजेन्सी द्वारा निर्माण कार्य में जो गुणवत्ता अपनाई जा रही थी उसे लगातार उजागर किया गया था। मगर उस समय प्रधानमंत्री सड़क से जुडे हुये अधिकारियों द्वारा माँ लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते ध्यान नही दिया गया जिसका परिणाम है यह पुल अपनी जिन्दगी की अंतिम सांसे गिनते हुये दिखाई देते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस तरह से पुल के निचले भाग से निकल रही गोल गिट्टी इस सच्चाई उजागर कर रही है कि वह गिट्टी इसी नदी से उठाई गई है तो इस बात को लेकर वन विभाग की भूमिका भी संदिग्ध बनने से नही चूक पा रही है..? क्योंकि नदी का यह भाग वन विभाग क्षेत्र में आता है और जब इस पुल का निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा यदि इसी नदी से गिट्टी उठाते हुये उपयोग की गई थी तो फिर वन विभाग द्वारा कोई कार्यवाही क्यों नही की गई थी। खैर इस सच्चाई को तो काफी समय बीत चुका है? मगर वर्तमान समय में जिस प्रकार से सीतारेवा नदी पर बना हुआ यह पुल लगातार जर्जर स्थिति में पहुंच जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये उसे पर से निकलने वाले वाहनों की आवाजाही पर रोक नही लगा रहा है उससे क्षेत्रवासियों की जिन्दगी को जरूर वर्तमान समय में खतरा पैदा होते हुये दिखाई देने से नही बच पा रहा है? इस प्रकार से प्रशासन के अधिकारियों द्वारा बरती जा रही उदासीनता से यह अनुमान लगते हुये जान पड़ रहा है कि शायद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ही क्षेत्र में कोई बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा हो..?

चीचली क्षेत्र में कागजों के भरोसे चलते हुए नजर आ रही आंगनबाडी संबंधित योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्धेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं व बच्चों को नही मिल पा रहा है? जबकि महिला बाल विभाग के माध्यम से संचालित होने वाले इन योजनाएं के नाम पर सरकार द्वारा प्रति वर्ष करोडो रूपए खर्च कर जन हितैषी योजनाए बनाती है मगर वह योजनाएं मात्र कागजो तक ही सीमित होने के चलते शासन की राशि बर्बाद ही होते हुए दिखाई देने लगी है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिल पा रहा है और न पढाई की सुविधा मिल रही है। वही दूसरी ओर गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी कोसो दूर दिखाई देने के साथ साथ मात्र कागजों पर चलते हुये देखने मिल रहा है। मगर हैरत की बात है इस ओर न तो अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों द्वारा जिसके के चलते महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं मैदानी तौर पर कम और कागजों के भरोसे अधिक चलते हुये दिखाई दे रही है..? जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है, जिसके चलते ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, केंद्र प्रभारियों की सांठ गांठ से फर्जी बिल, आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल होना आम चर्चा बन चुकी है? इस प्रकार से अनेक केंद्रों पर मनमर्जी इस प्रकार से देखने मिलती रही है कि आंगनबाडी केंद्र कब खुलते है और कब बंद होते है और इन केन्द्रो पर कितने बच्चे पढ़ाई करने के एलि पहुंचते है, जबकि कागजों के हिसाब से दर्ज संख्या के अनुसार बच्चों की प्रतिदिन उपस्थिति दिखाई देने से नही चूकती है, वही अधिकारियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाडियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण ही देखने मिलता है।

मेढ़ बंधान योजना की मलाई से लाल पड़ रहे अधिकारी व पंचायतों के जन प्रतिनिधि, जांच हुई तो चौकाने वाली सच्चाई से नहीं किया सकता है इंकार...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

निश्चित तौर से सरकार द्वारा आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुये अनेक प्रकार की योजनाये तो बनाई जाती है। मगर उनका लाभ तिहग्राहियों को मिलने की जगह अधिकारियों के लिये दुधारू गाय साबित होने से नही चूकते है..? कुछ इसी तरह की योजना काफी लम्बे समय पहले सरकार द्वारा मेढ़ बंधान को लेकर शुरू की गई थी। मगर इस योजना का लाभ क्षेत्र के कितने किसानों को मिला यह जांच का विषय बनने से नही चूक पा रहा है..? यदि इस योजना की सच्चाई गांवों में जाकर देखा जावे तो किसी तरह अधिकारियों से लेकर पंचायत के कर्ताधर्ताओं के लिये दूधारू गाय साबित हुई है कि योजना के नाम पर सरकार के लाखों रूपया खर्च होने के बाद भी मेढ़ बंधान खेतों की जगह कागजों पर ही देखने मिलते हुये जान पड़ रहा है? ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित होने वाली मेढ़ बंधान योजना को लेकर बताया जाता है कि इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर किये जाने वाले पंचायतों द्वारा मेंढ बंधान योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहते हुए देखी जा रही है। इस

बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील के अंतर्गत जनपद पंचायत चीचली व सांईखेडा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर पंचायतों द्वारा किसानों के खेतो पर जिस प्रकार से मेढ़ बंधान कार्य कराते हुए पैसा निकाला गया है? बताया जाता है कि शासन की मेढ़ बंधान के कार्यो में जमकर अनियमितातायों जानकारियाँ मिलना अब आम बात हो चुकी है। जिसकी मलाई से जहां बिदाई ले चुके और नये डेढ़ साल पहले पंचायतों की कुर्सी संभालने वाले पंचायतों के जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारी लाल पड़ रहे है और वही दूसरी ओर अधिकारी भी काजू कतरी खाने से नही चूक रहे है? क्योंकि जहां एक तरफ शासन लाखों करोड़ों रूपये मेढ बंधान के नाम पर खर्च कर रही वही दूसरी ओर यह कार्य जनपद स्तर के अधिकारियों के सहयोग व सरपंच सचिव की कारगुजरियों के चलते यह योजना कागजों में ज्यादा शोभा बढा रही है? बताया जाता है कि बैंको में मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था तो शासन द्वारा की गई है। किंतु बैंकों में ऐसे खातें भी खोले गये है जो ग्रामों के वह प्रभावशाली व संपन्न कृषक शामिल है जो कभी पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यो में जाकर खड़े तक नही हुये है। किंतु बैंको में सबसे पहले भुगतान इन्ही का होता है? क्योंकि अनेक पंचायतों में अधिकारियों व ग्राहक सेवा केन्द्र के नाम पर संचालित होने वाली क्यूसक बैंकों के माध्यम से पंचायतों में इसी तरह गोलमाल किये किये जाने की चर्चाए लगातार सुनाई देने लगी है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पंचायत के बीते हुये कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायतों द्वारा कराये गये नये कार्य के दौरान क्षेत्र की अनेक पंचायतो के रिकार्ड में मेढ बंधान के कार्य व भुगतान ऐसे कृषकों के नाम पर भी दर्ज है जिनके खेतों में मेढ़ बधान का कार्य ही नही हुआ है। इतना ही नही यदि कार्यो का मूल्यांकन भी संबंधित अधिकारी मौके पर न जाकर जनपद में ही बैठकर कर किया गया है। यदि मस्टर रोल में दर्ज नाम व पंचायतों की भुगतान पर्ची की निष्पक्ष जांच हो जाये तो सारी स्थिति अपने आप ही स्पष्ट हो जावेगी की किस तरह मेढ बंधान के कार्यो में बंदरबाट हुआ है, जिससे पंचायतों के सरपंचों सहित विभागीय अधिकारियों के चेहरा भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे? यदि पंचातयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों में रोजगार गारंटी योजना के कार्यो में भी सैकड़ों की तादाद में फर्जी जाब कार्ड भरकर उन खातेदारों के खातों में राशि जमाकर बंदरबाट होने संबंधी शिकायत आये दिन ग्रामीणों द्वारा किये जाने के बाद भी जांच करने की जगह अधिकारियों द्वारा सरपंच सचिव से सीधे संपर्क कर संबंधित अधिकारी अपने स्वार्थ की रोटी सेकने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इतना ही नही जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि यदि किसी पंचायत की शिकायत हो जाती है तो अधिकारी के लिए अतिरक्त आय का दरबाजा खुल खुलने से नही चूकता है? ऐसे प्रकरण क्षेत्र की पंचायतों में आये दिन सुनने को मिलते रहते है। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक पंचायतों का हाल बेहाल है, जहां धनवान व सपन्न कृषक बैंको से मजदूर बन कर भुगतान ले रहे है और वास्तविक मजदूरो का शोषण हो रहा है, जिसे सही मायने में देखा जावे तो सरकार की अधिकांश योजनाएं कागजो में ज्यादा शोभा बढ़ा रही है? ऐसा नही है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को नही है, यह सब पंचायती राज की लक्ष्मी लीला अधिकारियों की मिलीभगत की ही देन का परिणाम है कि साईकिलों पर सबार होकर चुनाव लड़ने वाले अनेक पंचातयों के सरपंच चंद वर्षो में स्कार्पियों पर घूमते हुए दिखाई देने लगते है, जिसके चलते शासन की राशि का अधिकारियों की मिलीभगत के चलते बंदरबांट होते हुए दिखाई देने लगा है।

विभागों में कर्मचारियों की कमी के चलते अनेक योजनाओं पर समय से नहीं हो पा रहा अमल, औपचारिकात पूर्ण बनी शासन की अनेक योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रो के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं के जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागो में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्वेश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन करते हुये शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है, निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्वी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है, क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभागो में कार्यरत कर्मचारियो के सेवानिवृत्त होने का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था, मगर जब उन पदों पर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ही नही होगे तो फिर शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल पाना मात्र एक कल्पना के आलवा और कुछ साबित होने वाला नही है।

झिकोली पुल के बीच में खड़े होने वाली वाहनों की सच्चाई को लेकर, लगता है कि शायद प्रशासन ही कर रहा है किसी बड़ी घटना का इंतजार

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जिस प्रकार से शासन द्वारा गाडरवारा क्षेत्र के लोगों को प्रदेश की राजधानी से सीधे जोड़ने के लिए झिकोली नर्मदा घाट पर पुल का निर्माण कराया गया है उसके चलते इस मार्ग पर लगातार वाहनों की संख्या में जहां इजाफा होते हुए देखा जा रहा है, वही इस नर्मदा पुल के निर्माण होने के कारण लोगों को भोपाल पहुंचने में काफी सुविधाजनक मार्ग साबित होते हुए देखा जा रहा है? इस समय इस पुल के ऊपर वाहन चालकों की हो रही मनमानी के चलते इस मार्ग से निकलने वाले लोगों की जिन्दगी के लिए खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? बताया जाता है कि आये दिन देखा जाता है कि अनेक बड़े वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों को पुल के ऊपर ही खड़ा करते हुए जहां मटर गस्ती करते हुए देखा जाता है तो वही दूसरी ओर अनेक वाहन चालक तो आस पास की दुकानों से नास्ता लेकर पुल के ऊपर खड़े होकर मटर गस्ती के साथ पुल के ऊपर खड़ा होकर उसे ग्रहण करना अपनी शान समझने लगे है? इस स्थिति के चलते जब कोई दूसरा वाहन इस मार्ग से निकलता है तो उसे पुल पार करने में काफी परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है। इस प्रकार से भारी भरकम ट्रकों सहित बसों व अन्य चार पाहिया वाहनों के चलाको द्वारा घंटो तक अपने वाहन खड़े किये जाने की सच्चाई को लेकर हरिभूमि द्वारा पूर्व में भी प्रशासन को अनेकोवार इस सच्चाई से अवगत कराया जा चुका है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने से अब यह जान पड़ने लगा है कि शायद प्रशासन ही कर रहा है कि बड़ी घटना का इंतजार? जबकि गौर किया जावे तो बीते हुये वर्ष इसी प्रकार से जब दो मासूम इस पुल के ऊपर से पैदल गुजर रहे थें, उसी दौरान एक वाहन के अचानक आ जाने के बाद उसकी आवाज से घबराकर दो मासूम बच्चियाँ पुल के नीचे यानि की नर्मदा नदी में गिर जाने से उनकी मौत हो चुकी है इसके आलवा पुल के ऊपर वाहनों के खड़े रहने की स्थिति में अन्य घटनाएं भी घटित हो चुकी है। मगर इसके बाद भी प्रशासन इस सच्चाई को जिस प्रकार से नजर अंदाज कर रहा है उसके चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वही बताया जाता है कि ग्राम झिकोली सांईखेड़ा पुलिस थाने की सीमा में आता है। मगर पुल पर प्रवेश करते ही सांईखेड़ा थाने की सीमा समाप्त होने के कारण जहां सांईखेड़ा पुलिस इन मनचले वाहन चालकों पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने में असमर्थ जान पड़ रही है? वही दूसरी ओर यह संपूर्ण पुल समीपस्थ उदयपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता हुआ बताया जा रहा है? जिसके चलते सही मायने में देखा जावे तो पुल के ऊपर खड़े होने वाली वाहनों को लेकर प्रशासन की उदासीनता किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण साबित हो सकती है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब पुल के ऊपर वाहन खड़े होते है तो उन्हे अपने वाहन निकालने में काफी परेशान होने के साथ साथ पुल के नीचे गिरने का भय तो बना ही रहता है, जिसके चलते पुल के ऊपर खड़े वाहनों को निकलने का इंतजार करते हुए अपना मूल्यवान काफी समय बर्बाद करना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई दो पाहिया वाहनों की देखी जाती है जब कोई व्यक्ति दो पाहियां वाहन पर किसी महिला को लेकर निकता है तो पुल के ऊपर खड़े हुये इन वाहनों के चलते जहां उसे अपनी जान जोखिम में डालने के लिए मजबूर देखा जाता है, वही दूसरी ओर पुल के ऊपर खड़े रहने वाले मनचले वाहन चालकों की छिटाकशी का शिकार भी होते हुए देखा जाता है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भ्रमण कार्यक्रम

अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को दोपहर 3:20 बजे नरसिंहपुर जिले से अनूपपुर जिले के बिजुरी के लिए प्रस्थान करेंगे तथा शाम 4:30 बजे हैलीपैड बिजुरी पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। तत्पश्चात शाम 5 बजे बिजुरी से जबलपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

7 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना एवं चक्काजाम 15 को

कटनी। सात सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एवं जय भारत मंच द्वय के द्वारा छोटी खिरहनी में दुर्गा चौक स्थित वर्षों पुराने जर्जर सामुदायिक भवन/ स्वा.भवन/ तालाब को कब्जा मुक्त कराने हेतु 15 मई को एक दिवसीय सांकेतिक धरना चक्काजाम का आयोजन समय 4.30 बजे आयोजित किया गया है जिसमें स्थानीय निवासियों के द्वारा उपरोक्त जनहितार्थ हेतु उपरोक्त आयोजन किया गया है उक्त धरना प्रदर्शन एवं चक्काजाम में सभी स्थानीय निवासियों एवं सामाजिक बन्धुओं से आग्रह है। उक्त प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की मांग संगठन एवं मंच ने की है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक 15 मई को

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार 15 मई को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई है। बैठक के दौरान पुलिस, वन, खनिज, राजस्व, आदिम जाति कल्याण, जल संसाधन, परिवहन, पशुपालन और विद्युत विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को अद्यतन जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

लाड़ली बहनों के खातों में कल आएगी राशि

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है।

महाविद्यालय को भेंट किया वाटर कूलर

स्लीमनाबाद। ग्रीष्मकालीन समय चल रहा है। गर्मी के इस दौर मै स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद के विद्यार्थियों को शीतल पेयजल की उपलब्धता हो सके इसके लिए स्लीमनाबाद निवासी समाजसेवी व शुभ भारत गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी के संचालक ने नेक पहल करते हुए स्लीमनाबाद महाविद्यालय को वाटर कूलर सोमवार को भेंट किया जिससे अब विद्यार्थियों को अब शीतल पेयजल मिल सकेगा जिससे उनके कंठ तर होंगे! समाजसेवी संजय जैन की इस नेक पहल पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ सरिता पांडेय सहित प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी।
गौरतलब है कि 15 दिवस पूर्व स्लीमनाबाद महाविद्यालय मै जन भागीदारी समिति की बैठक आयोजित हुई थी जिसमें महाविद्यालय के पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं हेतु शुद्ध और ठंडा पेय जल हेतु एक वाटर कूलर महाविद्यालय को प्रदान करने की बात संजय जैन ने कही थी।

जल संरक्षण का संदेश

कटनी। विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम मंगेला में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को जल बचाने और जल स्रोतों को संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत शहपुरा में हुआ भव्य सामूहिक विवाह समारोह

200 जोड़े सात फेरे लेकर बंधे वैवाहिक बंधन में

डिंडौरी।

शहपुरा स्थित रानी दुर्गावती स्टेडियम मंगलवार को उस समय उल्लास और पारंपरिक रंगों से सराबोर नजर आया, जब मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और हजारों लोगों की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया।कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक ओमप्रकाश धुर्वे सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। वहीं जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद पंचायत शहपुरा और मेंहदवानी क्षेत्र के कुल 200 वर-वधुओं का विवाह पूरे वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। धर्मगुरु सुरेश कुमार दुबे एवं शिवकुमार तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नवदंपत्तियों को सात फेरों के साथ वैवाहिक सूत्र में बांधा।समारोह में पारंपरिक लोकनृत्य और गुदुम बाजा की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। वधुओं को सामुदायिक भवन से मुख्य समारोह स्थल तक लाया गया, जबकि बारात नगर के मुख्य मार्गों से होकर रानी दुर्गावती स्टेडियम पहुंची। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियों के सम्मान और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नवविवाहित दंपत्तियों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने की बात भी कही।मंत्री संपतिया उईके ने योजना को सामाजिक समरसता और बेटियों के सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि इस योजना से हजारों परिवारों को आर्थिक संबल मिला है और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।समारोह में प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को शासन की ओर से 49 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे बैंक खाते में ऑनलाइन हस्तांतरित की गई। साथ ही प्रत्येक जोड़े को पांच बर्तन, पांच जोड़ी कपड़े और एक अंगूठी भेंट स्वरूप प्रदान की गई।कार्यक्रम में दोनों पक्षों के परिजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन स्थल पर भोजन और अन्य व्यवस्थाएं भी की गई थीं। दिनभर चले इस सामूहिक विवाह समारोह का समापन नवदंपत्तियों को आशीर्वाद और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष को दी शुभकामनाएं

शहपुरा। भाजपा किसान मोर्चा के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष घनश्याम कछवाहा के गृह निवास पहुंचकर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। सांसद के इस आत्मीय मुलाकात कार्यक्रम की क्षेत्र में व्यापक चर्चा रही। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।सांसद ने घनश्याम कछवाहा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन हमेशा जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देता है। घनश्याम कछवाहा लंबे समय से किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के मुद्दों को लेकर सक्रिय रहे हैं और किसान मोर्चा को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से नेताओं का अभिनंदन किया। पूरे आयोजन में संगठनात्मक उत्साह और आत्मीय माहौल देखने को मिला।जिला अध्यक्ष घनश्याम कछवाहा ने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठ जनप्रतिनिधि का घर पहुंचकर शुभकामनाएं देना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाएगा।उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा के माध्यम से किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जल संकट से लेकर फसल नुकसान तक, जनसुनवाई में पहुंचे 69 आवेदन

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों और नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में कुल 69 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान पेयजल संकट, अधूरे निर्माण कार्य, लंबित भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना, फसल नुकसान और रोजगार से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ ग्रामीणों ने गांवों में मूलभूत सुविधाओं की कमी और शिकायतों के निराकरण नहीं होने की बात भी रखी। वहीं आगजनी से प्रभावित एक महिला ने नुकसान के बावजूद मुआवजा नहीं मिलने पर

राहत सहायता की मांग की।विकासखंड बजाग की ग्राम पंचायत खम्हेरा के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को लेकर शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बनी ओवरहेड टंकी क्षतिग्रस्त होने से पानी लगातार बर्बाद हो रहा है। 234 परिवारों में से केवल 58 घरों तक ही पानी पहुंच पा रहा है, जबकि 178 परिवार अब भी पेयजल सुविधा से वंचित हैं। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को जांच कर शीघ्र व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।ग्राम पंचायत पिंडरूखी निवासी भजन सिंह राजपूत ने तालाब निर्माण कार्य का करीब एक लाख 25 हजार रुपये भुगतान लंबित होने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को जांच कर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।नेहरू वार्ड निवासी सरस्वती बर्मन ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग करते हुए बताया कि उनका मकान जर्जर स्थिति में है। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को पात्रता

परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।ग्राम सक्का में वर्षों से अधूरे पड़े आरआई भवन निर्माण को लेकर भी ग्रामीणों ने शिकायत की। ग्रामीणों ने भवन निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग की, जिस पर संबंधित विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।ग्राम मुकटपुर निवासी चोवाराम मलगाम ने खुडिया डायवर्सन नहर का कार्य अधूरा होने से हर वर्ष फसल नुकसान होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष लगभग तीन लाख रुपये का नुकसान हो रहा है। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन, तहसीलदार शांशक शेंडे, जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते, डीपीसी श्वेता अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरगांव से शुरू हुआ बृहद पशु टीकाकरण अभियान, 35 गांवों में पहुंचेंगी 50 टीमें

डिंडौरी।

जिले के विकासखंड शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगांव में मंगलवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बृहद पशु टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत 35 गांवों में 50 टीमें घर-घर पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य गलघोंटू सहित संक्रामक बीमारियों की रोकथाम कर पशुधन को सुरक्षित रखना और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाना है।कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री लखन पटेल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक ओमप्रकाश धुर्वे तथा भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

मुख्य अतिथियों ने अभियान के लिए तैयार 4 बसों और 18 चार पहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में पशु चिकित्सक, पैराबेट, सहायक एवं तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं, जो गांव-गांव पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे।कार्यक्रम में राजकुमार मटाले, कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डॉ. राखी वैश्य, डॉ. मंजीत शर्मा, मनोहर लाल साहू, सुनील कांत, एच.पी. शुक्ला, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. कृष्ण कुमार तथा सतीश चौबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, चिकित्सक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने टीकाकरण शिविर का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को अभियान प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालकों के हित और पशुओं को रोगमुक्त रखने के लिए यह अभियान महत्वपूर्ण है।अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया है, ताकि अधिक से अधिक पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण करा सकें। अभियान में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, पशुपालन विभाग जबलपुर एवं डिंडौरी की टीमों का विशेष सहयोग रहा।

ग्राम झांकी में जन भागीदारी से हुई खरमेर नदी की साफ - सफाई

डिंडोरी

डिंडोरी जिला क्षेत्र अंतर्गत जनपद पंचायत समनापुर के ग्राम पंचायत झांकी माल में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखंड समनापुर , जिला डिंडोरी, मध्य प्रदेश के चयनित नवांकुर संस्था सामाजिक समरसता सेवा समिति झांकी रैयत के तत्वाधान में खेरमाई के पास कुंडुल घाट में जन भागीदारी से खरमेर नदी के आसपास साफ - सफाई कार्य किया गया तथा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सोखता पिट बनाने हेतु नवांकुर संस्था प्रभारी द्वारा सभी ग्रामवासियों से अपील किया गया , साथ ही जल संचय को लेकर सपथ ग्रहण किया गया। इस दौरान नवांकुर संस्था प्रभारी सेक्टर क्रमांक 02 छांटा वेद प्रकाश यादव , मेंटर दिलीप कुमार बर्मन सेक्टर क्रमांक 03 समनापुर , संस्था सचिव जगत सिंह उइके , ग्राम के वीरेंद्र परस्ते , पूरन सिंह , प्रदीप कुशराम , सुमेर सिंह , छत्तर कुशराम सहित ग्रामीण जन शामिल रहे।

स्कूलों में शुरू हुआ ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण, विद्यार्थियों को दिए जा रहे रोजगारपरक कौशल

डिंडौरी।

जिले के विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवसा पोंडी में कक्षा 10वीं के व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य उमेश कुमार झरिया एवं शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया।विद्यार्थियों के लिए नेवसा स्थित एक निजी कंप्यूटर संस्थान में 20 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान संस्था संचालक अखिलेश कुमार साहू द्वारा विद्यार्थियों को एमएस ऑफिस सहित कंप्यूटर संचालन और डिजिटल कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। साथ ही ऑनलाइन माध्यमों से रोजगार प्राप्त करने और स्वरोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया जा रहा है।प्रशिक्षण के माध्यम से छात्र-छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विद्यार्थी उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लेकर तकनीकी एवं रोजगारपरक ज्ञान हासिल कर रहे हैं।

80 घंटे का अनिवार्य प्रशिक्षण

व्यावसायिक शिक्षक अखिलेश कुमार साहू ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार विद्यालय में आईटी विषय के अंतर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत विद्यार्थियों के लिए 80 घंटे की ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग अनिवार्य की गई है।उन्होंने बताया कि 1 मई से शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगातार 20 दिनों तक विद्यार्थियों को कार्य आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को 12वीं के बाद रोजगार प्राप्त करने अथवा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए सक्षम बनाना है।प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आधार केंद्र में आधार कार्ड अपडेट करने सहित विभिन्न डिजिटल सेवाओं से संबंधित कार्यों की भी जानकारी प्रदान की जा रही है।

लो-वोल्टेज से ग्रामीण परेशान, भीषण गर्मी में बढ़ी मुश्किलें

शहपुरा।

मानिकपुर फीडर से जुड़े गांवों में पिछले कई महीनों से बनी लो-वोल्टेज की समस्या के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। टिकरिया, पड़रिया, रयपुरा सहित आसपास के गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी के बावजूद घरों में पंखे और कूलर ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। कई स्थानों पर बल्ब तक पर्याप्त रोशनी नहीं दे पा रहे हैं। कम वोल्टेज के कारण घरेलू उपकरण सही ढंग से काम नहीं कर रहे, जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं

निकाला गया। विभाग द्वारा केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार शाम के समय स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। कम वोल्टेज के चलते बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं बुजुर्ग और महिलाएं गर्मी से परेशान हैं। कई जगह मोटर पंप भी पर्याप्त क्षमता से नहीं चल पा रहे, जिससे पेयजल संकट की स्थिति बनने लगी है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में समय पर मेंटेनेंस और तकनीकी सुधार कार्य नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि मानिकपुर फीडर की तत्काल जांच कर ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाई जाए तथा लाइन सुधार कार्य कराया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि समस्या का जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, बुधवार 13 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

उपायुक्त सहकारिता समेत दो अधिकारियों पर गंभीर आरोप

20 बिंदुओं पर जांच की मांग कलेक्टर से की शिकायत

जिले 22 समितियों के संचालन पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है लेकिन प्रशासन के लापरवाह व भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का कार्य करते नजर आते है ऐसा मामला जिले से सामने आया जिसम जागरूक नागरिकों द्वारा कलेक्टर से शिकायत कर जांच की मांग की गई। शिकायती आवेदन मे बताया गया है कि उपायुक्त सहकारिता सहित निरीक्षक पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए जांच की मांग की गई। दिए गए शिकायती आवेदन मे किसानों की समस्याओं तथा भ्रष्टाचार के 20 बिन्दुओं को शामिल किया गया है। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा उक्त संबंध मे क्या कार्रवाई की जाती है। क्योकि सरकार द्वारा उपार्जन को लेकर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर से की 20 बिन्दुओं की शिकायत

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना और मसूर खरीदी के बीच सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कलेक्टर नरसिंहपुर को सौंपे गए 20 बिंदुओं के विस्तृत शिकायत पत्र में उपायुक्त सहकारिता दिनेश चौरसिया एवं वरिष्ठ सहकारिता निरीक्षक राजेन्द्र सिंह पर पद का दुरुपयोग कर खरीदी व्यवस्था में व्यापक अनियमितताएं और भ्रष्टाचार करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के साथ फोटो, वीडियो, तौल पर्चियां, समाचार पत्रों की प्रतियां और अन्य दस्तावेज भी संलग्न

किए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जिले की 22 समितियों को बिना स्पष्ट आदेश और निर्धारित मापदंड के ब्लैकलिस्ट कर खरीदी कार्य से अलग कर दिया गया, जबकि दूसरी ओर नवीन गठित समितियों को नियमों के विपरीत खरीदी केंद्र आवंटित किए गए।

व्यापारियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश

शिकायत मे बताया गया है कि कई समितियों के आई डी पासवर्ड भी नहीं बने एवं कई समितियों में पर्याप्त कर्मचारी नहीं है एवं ब्लैक लिस्टेड समितियों के कर्मचारियों को साथ रख नवीन गठित समितियों से खरीदी कराई जा रही है, जिससे न संचालन की पूर्ण व्यवस्था, न खरीदी का अनुभव इसके बावजूद केंद्र संचालन की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सवाल उठाए गए हैं। दस्तावेजों में आरोप है कि यह मध्यप्रदेश का यह पहला मामला है जहां नवीन गठित समितियों को बिना संसाधन कर्मचारियों को केंद्र सौंप दिए गए एवं खरीदी केंद्र निर्धारित वेयरहाउस के बजाय अन्य स्थानों पर संचालित कराए गए, जिससे निजी पक्षों और व्यापारियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश हुई। शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष विभागीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि कार्रवाई नहीं होने पर आगामी दिनों में मामला बड़े स्तर पर उठाया जाएगा।

ठेके पद हो रही खरीदी

शिकायतकर्ताओं ने कल्याणपुर, देवरी, सांखेड़ा, बारहबड़ा, पिपरियाकला सहित कई केंद्रों का उल्लेख करते हुए खरीदी कार्य ठेके पर कराए जाने, नियम विरुद्ध तौल और रिकॉर्ड में गड़बड़ी जैसे आरोप लगाए हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि खरीदी केंद्रों पर धर्मकांटे से नियम विरुद्ध तौल कर किसानों की उपज को एकत्रित ढेर में रखा जा रहा है, जिससे पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। पूर्व धान खरीदी में शॉर्टेज और कमीशन में गड़बड़ी के आरोपों का भी उल्लेख किया गया है। इतना ही नहीं, कर्मचारियों को बिना जांच निलंबित करने, बाद में बहाल करने, वेतन काटने की कार्रवाई और एक ही ऑपरेटर को एक से अधिक खरीदी केंद्रों पर तैनात करने जैसे आरोप भी शिकायत पत्र में दर्ज हैं। उपार्जन समिति की बैठकों में जरूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराने और प्रस्तावित समितियों की सूची तक साझा न करने पर भी सवाल उठाए गए हैं। अब जिले में चर्चा इस बात की है कि इतने गंभीर दस्तावेजी आरोपों पर प्रशासन क्या कदम उठाता है।

खबर संक्षेप

श्रीनगर-उमरिया मार्ग पर निर्माणाधीन पुल की गुणवत्ता पर उठे सवाल

गोटेगांव। तहसील क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर और उमरिया को जोड़ने वाले मार्ग पर नाले के ऊपर बन रहे पुल के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण में उपयोग की जा रही रेत में अत्यधिक मात्रा में मिट्टी मिली हुई है, जिससे पुल की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका आरोप है कि यदि इसी प्रकार घटिया सामग्री का उपयोग किया गया तो करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाला पुल समय से पहले क्षतिग्रस्त हो सकता है।निर्माण स्थल पर कार्य की लागत, निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की जानकारी दर्शाने वाला सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है, जिससे पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।सूत्रों के अनुसार यह कार्य ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तकनीकी जांच कराने, सूचना बोर्ड लगाने और निर्माण कार्य की सतत निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

हेडपंप से निकल रहा दूषित पानी, वार्डवासियों में रोष

गोटेगांव। नगर के हरदौल वार्ड में बगतला तालाब के पास स्थित एकमात्र हेडपंप से दूषित पानी निकलने की शिकायत सामने आई है, जिससे स्थानीय रहवासियों को गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।जानकारी के अनुसार हेडपंप कुछ दिनों पूर्व खराब हो गया था। शिकायत के बाद संबंधित विभाग ने मरम्मत तो कर दी, लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। हेडपंप का फाउंडेशन तोड़कर उठाया गया, पर उसकी उचित मरम्मत नहीं की गई। परिणामस्वरूप आसपास का गंदा पानी पुनः हेडपंप के आधार में समा रहा है और पानी दूषित हो रहा है।रहवासियों का आरोप है कि शिकायत करने पर संबंधित कर्मचारी ने अभद्र व्यवहार किया। इसको लेकर नागरिकों में आक्रोश है।नागरिकों की मांगस्थानीय लोगों ने मांग की है कि हेडपंप के आसपास की मरम्मत शीघ्र कराई जाए, ताकि दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों की आशंका समाप्त हो सके।

खटारा बसें सड़कों से यात्री हलाकान

गोटेगांव=नगर में इस समय परिवहन विभाग की उदासीनता और लापरवाही के चलते खटारा यात्री बसे जबलपुर चरगवां मार्ग पर धड़ल्ले से चल रही हैं परिवहन विभाग को धता बताकर दिल से ये बसों में सवारी ढोई जा रहीं हैं जब कोई अनहोनी या कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है तब प्रशासन और परिवहन विभाग इस ओर ध्यान देता है।दुर्घटना ना हो इसके लिए वह कोशिश ही नहीं करता बेचारे यात्री इस भीषण गर्मी में इन खटारा बसों में यात्रा करने मजबूर हैं।स्मरण हो कि इस भीषण गर्मी में ये खटारा बसें जो जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी हैं इन्हें परिवहन विभाग चलाने मंजूरी क्यों देता है क्या यात्रियों की जान की परवाह नहीं है।या फिर अन्य कोई कारण से चलवा देता है।नगर में इस समय गोटेगांव में कई खटारा और घटिया क्वालिटी की बसें सड़कों पर फर्राटे से बेखौफ दौड़ लगा रही हैं।और तो और ये बसें यात्रियों की प्रतीक्षा में घंटों बीच सड़कों पर खड़ी होकर आवागमन को अवरुद्ध भी करती हैं जिससे भारी वाहनों को निकलने में पसीना आ जाता है।ऐसा नजारा हर रोज गोटेगांव में देखने को मिलता है जो नगर में जन चर्चा का विषय बनता जा रहा है।आवागमन को सुचारु रूप से चलाने के लिए शासन की कोई योजना ही नजर नहीं आती है शासन के नुमाइंदे भी इस ओर कोई पहल नहीं कर पाते हैं जिससे नगरवासी परेशान रहते है कहीं न कहीं कोई न कोई दुर्घटना का शिकार होता है।इस अराजक यातायात व्यवस्था से जनता तो परेशान है ही साथ ही सरकारी कर्मचारियों का स्टॉफ और बल भी कम है जिससे नगर में कोई व्यवस्था हो वो बन ही नहीं पाती ।अच्छा होगा जनप्रतिनिधि और शासन में कुर्सियों पर बैठे जवाबदार अधिकारी इस ओर ध्यान दें।

म्यूल अकाउंट के जरिए करोड़ों के ट्रांजेक्शन पुलिस ने किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पुलिस ने प्रार्थी अंकित सोनी निवासी महाजनी वार्ड, नरसिंहपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन में बताया गया कि उसके परिचित अभिषेक सिलावट निवासी बहोरीपार द्वारा जुलाई 2025 में उसे बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा नरसिंहपुर में यह कहकर खाता खुलवाने के लिए तैयार किया गया कि उसका एक्सीडेंट हो गया है तथा क्लेम की राशि खाते में आनी है। अभिषेक सिलावट द्वारा आवेदक के नाम से खुलवाए गए खाते में स्वयं का मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी रजिस्टर्ड करवाई गई। खाता खुलने के बाद अभिषेक द्वारा क्लेम की औपचारिकताओं का हवाला देकर आवेदक को जबलपुर, लखनऊ एवं नेपाल तक लेकर जाया गया। कुछ दिनों बाद आवेदक को जानकारी मिली कि उसके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते में करीब 2 करोड़ 52 लाख रुपये का लेनदेन हुआ है, जबकि उक्त खाते की एटीएम एवं चेकबुक अभिषेक सिलावट के पास ही थी तथा लेनदेन की जानकारी आवेदक को नहीं थी। आवेदक ने आरोप लगाया कि अभिषेक सिलावट द्वारा छलपूर्वक उसका बैंक खाता खुलवाकर उसका गलत उपयोग करते हुए उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा तत्काल विशेष टीम का गठन कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से बैंक पासबुक, चेकबुक एवं एटीएम कार्ड जप्त किए गए रू आरोपी अभिषेक सिलावट को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से खाते में लिंक माबाईल नम्बर, आवेदक के नाम की पासबुक, चैकबुक एवं एटीएम को जप्त किया गया एवं उनके बैंक एवं विभिन्न माध्यमों से जानकारी प्राप्त कर जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी अभिषेक सिलावट द्वारा मात्र 17 दिनों में एक ही खाते से लगभग 2 करोड़ 52 लाख 83 हजार रुपये का संदिग्ध एवं धोखाधड़ीपूर्ण लेनदेन किया गया। आरोपी खाते में राशि प्राप्त होते ही उसे तत्काल अन्य खातों में ट्रांसफर कर देता था। जांच में जिन तीन खातों में सर्वाधिक लेनदेन पाया गया, उनमें कुल लगभग 21 करोड़ 41 लाख रुपये का ट्रांजेक्शन होना सामने आया है, जिसके तार लखनऊ, नेपाल से जुड़े होना पाए गए हैं। आरोपी द्वारा धोखाधड़ी की राशि ट्रांसफर किए जाने वाले कुल 11 बैंक खातों की जानकारी पुलिस को प्राप्त हुई है, जिनकी विस्तृत जांच जारी है। मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। आरोपी के विरूद्ध 6 राज्य क्रमशः कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात एवं केरल में कुल 11 आपराधिक प्रकरण पंजीवद्ध होना पाया गया है।

मातृशक्ति को मातृत्व क्षमता का ईश्वरीय वरदानः कुमुद रानी

नरसिंहपुर। मातृत्व क्षमता द्वारा शिशु को जन्म देने, पोषण व देखभाल का अनमोल वरदान प्रकृति प्रदत्त सत्ता ईश्वर द्वारा मातृ शक्ति को दिया गया है पुष्प के समान इन नन्हे मुन्ने शिशु के मनोभाव को समझ कर शिशु के समग्र विकास का उत्तरदायित्व निर्वाह करना मातृशक्ति के वात्सल्य में है उक्त उद्गार सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता प्रशिक्षण वर्ग में श्रीमती कुमुद रानी दुबे वर्ग संयोजिका द्वारा शिशु वाटिका के संस्कारक्षम वातावरण में मातृशक्ति की सहभागिता विषय पर अपने प्रबोधन में व्यक्त किये शिशु वाटिका शिशुओं का बगीचा है जिसकी देखभाल की जिम्मेदारी एक कुशल माली के समान मातृ शक्ति दीदियों की परस्पर सहभागिता पर

नर्सिंग डे पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा इंटरनेशनल नर्सिस डे के अवसर समारोह आयोजित किया गया साथ ही नवीन स्किल लैब का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा समारोह में मुख्य अतिथि एवं शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्य सहित समस्त फैकल्टी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ. मनीष मिश्रा ने छात्राओं को एवं समस्त फैकल्टी को शुभकामनाएँ दीं एवं छात्राओं भविष्य में निष्ठापूर्ण, ईमानदार एवं अच्छी नर्स बनने के लिए प्रेरित किया कि अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखे एवं पूरी निष्ठा से करें। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्राओं द्वारा गायन एवं नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई, एवं फ्लोरेंस नाइटिंगल की जीवनी पर नाटक प्रस्तुत किया जो आकर्षण केन्द्र रहा। जिसके पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने भाषण से नर्सिंग का महत्व समझाते हुए छात्राओं का हौसला बढ़ाया एवं डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन सर ने छात्राओं को सहानुभूति एवं करूणा को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

ठेकेदार की मनमानी के चलते गाडरवारा सड़क मार्ग पर मुरम की जगह डाली जा रही पीली मिट्टी

तेंदूखेड़ा इन दिनों तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर मनमानियों का दौर जारी है। जो आने वाले समय में लोगों को दुख का कारण बनेगा। मुख्य सड़क मार्ग पर साइड सोल्डरों में जहां मुरम डाली जानी चाहिए थी वहीं पीली मिट्टी डाली जा रही है जो आने वाले बरसात के दिनों में बाहन चालकों को परेशानी का कारण बनेगी।इस विषय को लेकर किसान संघ के लोगों ने प्रशासन के अधिकारियों को लिखित में शिकायत की गई थी लेकिन इस दिशा में आज तक कोई सुधार नहीं हुआ है।पहले तो मोदी पेट्रोल पंप के आगे से सत्संग भवन तक पीली मिट्टी फैलाई जा रही है। लेकिन अब यह मिट्टी आगे ऊमरपानी तक रातों रात बिछाई जा रही है। गौरतलब रहे कि सड़क मार्ग काफी सकरा है और भारी वाहनों की आवाजाही दिन रात बनी रहती है। वाहनों की क्रासिंग के समय छोटे बाहन चालक फिसलकर गिरने की आशंका बनीं हुई है।समय रहते तत्काल प्रभाव से रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में भीषण सड़क दुर्घटनायें बढ़ेगी। बरसात के दिनों में जहां बाहन कीचड़ में फंसेंगे वहीं छोटे बाहन फिसलकर गिरेगें ।इसी सड़क मार्ग पर ठेकेदार की मनमानी के चलते विद्युत खंबे मनमाने तरीके से गाढ़े जा रहे हैं।जो भविष्य में दुख का कारण बनेगा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि तत्काल प्रभाव से मिट्टी डलने से नहीं रोका जाता है तो शीघ्र ही वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन देकर आने वाले समय में आंदोलन किया जाएगा।

मूंग को फसल को नहीं मिल रहा उचित माहौल

तेंदूखेड़ा॥ इन दिनों ग्रीष्म कालीन मूंग की फसल को उचित माहौल ना मिल पाने के कारण फसल ग्रोथ नहीं कर पा रही है और विभिन्न प्रकार की कीट व्याधियों से जूझ रही है। किसानों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि ग्रीष्म कालीन मूंग की फसल ज्यों ज्यों बड़ी होती चली जाती है त्यों-त्यों उसके लिए अधिक तापमान की जरूरत पड़ती चली जाती है। लेकिन पिछले एक पखवाड़े से मौसम नरम गरम बना हुआ है। अचानक बादल छाने के साथ वारिस होने से मौसम में ठंडक आ जाती है। इस तरह की स्थिति में विभिन्न प्रकार की कीट व्याधियां भी अपने पैर पसारती चली जा रही है। जिसमें सफेद मख्की हरा मच्छर हरी इल्ली और रात की रानी इत्यादि कीटों का आक्रमण बना हुआ है।

बिजली बनीं हुई आफत - किसानों का कहना है कि इस दौरान बिजली की आंख मिचौली से फसल में समय पर पानी ना मिलने के कारण फसल सूखने और झुलसने की कगार पर पहुंच गई है।

समाप्त हो रहा स्लाइडों का समय - किसानों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि इन दिनों किसानों का जमकर शोषण हो रहा है। समर्थन मूल्य के तहत गेंहू उपज को लेकर स्लाइड बुक करने के बाद से किसान अपने टेक्ट्रर ट्रालियों में गेंहू लेकर एक एक सप्ताह से लंबी-लंबी कतारों में खड़ा हुआ है। और अभी तक उसकी उपज तुल नहीं पाई है।समय सीमा खत्म होने के कारण अब उपज तुलाई में संशय बना हुआ है। किसानों का प्रतिनिधि मंडल ने तहसील के वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस बारे अपनी पीड़ा को रखा है।

पुलिया के पास गड्ढा हो सकता है बड़ा हादसा

तेंदूखेड़ा। तेन्दूखेड़ा से डोभी होकर जाने वाले सड़क मार्ग पर डोभी में एक पुलिया के समीप गड्ढा बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। इस मार्ग पर बनी पुलिया के बीचों-बीच बड़ा गड्ढा हो जाने से राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है। जहां से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। पुलिया की खराब स्थिति के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिया के बीच में बना गड्ढा लगातार बड़ा होता जा रहा है। रात के समय यह और अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। अंधेरे में वाहन चालकों को होल दिखाई नहीं देता। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है। महत्वपूर्ण विषय तो यह है कि पुलिया के पास ही साप्ताहिक हाट बाजार लगता है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। बाजार के दिनों में मोटरसाइकिलों और अन्य वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार वाहन चालक अचानक गड्ढा देखकर संतुलन बिगाड़ बैठते हैं। अब तक छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं। लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से पुलिया की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार कार्य नहीं कराया गया तो आंदोलन किया जाएगा। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी घटना के बाद जागने के बजाय पहले ही सुरक्षा के इंतजाम करे। फिलहाल पुलिया की जर्जर स्थिति राहगीरों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनी हुई है।

मुख्यमंत्री का आगमन आज करेंगे भूमिपूजन व लोकार्पण कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई मंगलवार को दोपहर 12:35 बजे भोपाल से हैलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 01:30 बजे हैलीपेड मुंगवानी जिला नरसिंहपुर आगमन कर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। आप दोपहर 03:20 बजे हैलीपेड मुंगवानी जिला नरसिंहपुर से जिला अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 मई को नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवानी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों को लाभांवित करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी होगा। जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम में आने वाले हितग्राहियों के लिए वाहन व्यवस्था, भोजन, पेयजल, चिकित्सा सुविधा सहित विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने मंगलवार को ग्राम मुंगवानी में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक महेन्द्र नागेश, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कार्यक्रम स्थल में की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान कार्यक्रम स्थल में हितग्राहियों, मीडिया, जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। वाहन पार्किंग स्थल, चिकित्सा दल, प्रदर्शनी स्थल, फायर बिग्रेड, पेयजल प्रबंध, शौचालय की व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देशित किया कि कार्यक्रम की तैयारियां और कार्यक्रम का संचालन सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह इस दौरान पौधरोपण स्थल और हैलीपेड स्थल का भी निरीक्षण किया।